पातञ्जल योगदर्शन

(व्यासभाष्य और भोजवृत्ति सहित)

व्याख्याकार : सतीश आर्य

योग के सिद्धान्तों का महर्षि पतञ्जलि की मान्यताओं के अनुसार विस्तारपूर्वक वर्णन करने वाला एकमात्र ग्रन्थ। योगसूत्रों पर महर्षि व्यास का एकमात्र प्रामाणिक भाष्य उपलब्ध है। प्रस्तुत ग्रन्थ में योग-सूत्रों पर एक विस्तृत व्याख्यान वेद और वेदानुकूल ग्रन्थों के प्रमाणों के अनुसार किया गया है। योगदर्शन वैदिक साहित्य का एक महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ होने से, इसको वेद और वेदानुकूल ग्रन्थों के प्रमाणों के सन्दर्भ में अधिक सरलता पूर्वक समझा जा सकता है। प्रस्तुत योगभाष्य की विशेषताएँ —

१. व्यासभाष्य और भोजवृत्ति का पदार्थ।

२. सूत्रों पर महर्षि दयानन्द सरस्वती के विभिन्न ग्रन्थों में उपलब्ध अर्थों / विचारों का, सूत्रों के साथ प्रस्तुतिकरण। **१०३ सूत्रों पर ऋषि दयानन्द के ग्रन्थों तथा ऋषिकृत वेदभाष्य से प्रमाण दिये गये हैं।**

३. **"वैदिक योग मीमांसा"** में आवश्यक स्थलों में, सूत्रों में व्याख्यात विषयों का, वेद तथा वेदानुकूल ग्रन्थों के प्रमाणों द्वारा प्रतिपादन। **१०७ सूत्रों पर लगभग ४८० प्रमाण प्रस्तुत किये गये हैं।**

४. सूत्रों पर **"महर्षि व्यास"** के मन्तव्य तथा व्यासभाष्य की अन्तःसाक्षी के अनुकूल **"वैदिक योग मीमांसा"** नामक आर्य = हिन्दी भाषा में व्याख्या। **१४४ सूत्रों की व्याख्या में योगसूत्रों तथा व्यासभाष्य की अन्तःसाक्षी अथवा सन्दर्भ दिया गया है।**

५. विभूतिपाद की विभिन्न विभूतियों का व्यासभाष्य के आधार पर, वेद तथा वेदानुकूल ग्रन्थों में उपलब्ध प्रमाणों के अनुकूल व्याख्या एवं स्पष्टीकरण।

साईज — २० - ३० / ८ — ८८० पृष्ठ

मूल्य रू ३५०.०० (भारत में) USD 50.00 (Outside India)